

करना 2. अन्न झाड़ने या साफ करने वाली डलिया, खँचिया, सूप।

**परिपांडिमा स्त्री.** (तद्.) पीलापन, अधिक श्वेतपन, अधिक सफेदी।

**परिपांडु वि.** (तत्.) 1. अत्यंत हल्का पीला, सफेदी मिश्रित पीला 2. कृश, दुर्बल, क्षीण, दुबला-पतला।

**परिपांडुर वि.** (तत्.) 1. हल्का पीला 2. दे. परिपांडु।

**परिपाक पुं.** (तत्.) 1. पकने का भाव, पकाया जाना 2. पचने का भाव, पचना, पचाया जाना 3. प्रौढ़ता, पूर्णता, परिणति 4. बहुदर्शिता 5. कुशलता, निपुणता, प्रवीणता, दक्षता 6. कर्मफल, परिणाम, नतीजा।

**परिपाकिनी स्त्री.** (तत्.) निसोथ।

**परिपाचन पुं.** (तत्.) 1. अच्छी तरह से पचना, भली प्रकार पचना 2. पूर्णतः पच जाने वाला, पचाना 3. पकाने वाला।

**परिपाचित वि.** (तत्.) 1. पूर्णतः पकाया हुआ 2. भूना हुआ।

**परिपाटल वि.** (तत्.) पीलेपन से युक्त लाल रंग, जर्दी युक्त लाल रंग।

**परिपाटलित वि.** (तत्.) पीले तथा लाल रंग में रंगा हुआ।

**परिपाटी स्त्री.** (तत्.) 1. क्रम, श्रेणी, सिलसिला 2. प्रणाली, रीति, शैली, चाल, ढंग 3. अंकगणित 4. पद्धति, चाल, नियम, संप्रदाय।

**परिपाठ पुं.** (तत्.) 1. बार-बार विस्तार से वेद पाठ करना, पुनर्पठन 2. विवाद या विस्तृत उल्लेख।

**परिपार स्त्री.** (तत्.) मर्यादा।

**परिपारना स.क्रि.** (तद्.) निर्वाह करना।

**परिपार्श्व वि.** (तत्.) पार्श्व, बगल, बहुत पास, निकटवर्ती।

**परिपालक वि.** (तत्.) पालन करने वाला।

**परिपालन पुं.** (तत्.) 1. रक्षा करना, बचाना 2. रक्षा, बचाव 3. अत्यंत सावधानी से किया गया पालन-पोषण।

**परिपालना स्त्री.** (तत्.) 1. रक्षण, बचाव 2. परिपालन करना।

**परिपालनीय वि.** (तत्.) परिपालन के योग्य, रक्षण के योग्य, जिसका परिपालन होना चाहिए।

**परिपालयिता पुं.** (तत्.) परिपालन करने वाला, परिपालक।

**परिपालयिषा स्त्री.** (तत्.) परिपालन की इच्छा।

**परिपाल्य वि.** (तत्.) 1. जो रक्षा करने के योग्य हो 2. जो पालन करने योग्य हो।

**परिपिंग वि.** (तत्.) लालिमा युक्त भूरा रंग, अत्यंत पिंगल वर्ण।

**परिपिंजर वि.** (तत्.) हल्के लाल रंग वाला, पिंगल वर्ण का।

**परिपिच्छ पुं.** (तत्.) मोर की पूँछ के पंखों से बनने वाला एक प्राचीन युग का आभूषण।

**परिपिष्टक पुं.** (तत्.) सीसा।

**परिपीड़न पुं.** (तत्.) 1. अत्यधिक पीड़ा पहुँचाने वाला, पीड़ा देने वाला 2. अनिष्ट करना 3. पीसना, दबाना।

**परिपीवर वि.** (तत्.) अत्यंत मोटा, तगड़ा, स्थूल।

**परिपुटन पुं.** (तत्.) 1. छिलका अलग करना 2. चमड़ी या चमड़ा अलग करना 3. संपुटित करना।

**परिपुष्ट वि.** (तत्.) 1. जिसका भली प्रकार से पोषण किया गया हो, सम्यक् रीति से पोषित 2. हृष्ट-पुष्ट, पूर्णतः पुष्ट।

**परिपूजन पुं.** (तत्.) सम्यक् विधि से पूजा करना, विधि-विधान से उपासना करना।

**परिपूजा स्त्री.** (तत्.) विधिवत् पूजन।

**परिपूजित वि.** (तत्.) जिसका अच्छी तरह से पूजन किया गया हो, विधिवत् पूजित।